SEMESTERWISE COURSE STRUCTURE AND POs/PSOs/COs OF SYLLABUS (UG):

Year 2018-22

B.A. Sanskrit

S.S.J.D.V.S.S.S. Govt. P.G. College, Ranikhet, Almora

Department of Sanskrit (B.A. Sanskrit)

KUMAUN UNIVERSITY, NAINITAL

SSJ UNIVERSITY, ALMORA

Semester system course structure:

- The course work shall be divided into six semesters with two papers in each semester.
- Each paper in a semester will be of 75 marks out of which 55 marks for theory and 20 marks are allotted for internal assessment (written test or assignments or both)
- Each theory paper shall consists of section A: 20% of total marks (multiple choice, one word/one sentence answer, fill in the blanks, true- false; all parts will be compulsory), section B: 40% of total marks (one question of 06 parts; any 04 have to be attempted with short answer) and section C: 40% of total marks; (04 questions, any two have to be attempted with long answer).
- Question paper shall cover the whole syllabus.
- The duration of theory examination shall be 03 hrs .

B.A. Sanskrit

Course Structure (Semester System)

I Semester	II Semester	III Semester	IV Semester	V Semester	IV Semester
सुगमपाठ एवं व्याकरण हितोपदेश (मित्रलाभ) (प्रथम प्रश्न-पत्र)	**संस्कृत नीतिकाव्य** नीतिशतकम् (प्रथम प्रश्न-पत्र)	**संस्कृत पद्यकाव्य एवं समास परिचय** कुमारसम्भवम् (प्रथम प्रश्न-पत्र)	**काव्य एवं संस्कृत साहित्य का इतिहास** किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग)	**दर्शन एवं व्याकरण** तर्कसंग्रह (प्रथम प्रश्न-पत्र)	**वेद एवं वैदिक साहित्य परिचय** वेद (ऋग्वेद, यजुर्वेद, अथर्ववेद) (प्रथम प्रश्न-पत्र)
संज्ञा एवं सन्धि प्रकरण (प्रथम प्रश्न-पत्र)	संस्कृत नीतिकाव्य परम्परा परिचय मनु, भर्तृहरि, नारायणपण्डित, विष्णु शर्मा (प्रथम प्रश्न-पत्र)	कारक एवं समास परिचय (प्रथम प्रश्न-पत्र)	संस्कृत साहित्य का इतिहास (प्रथम प्रश्न-पत्र)	व्याकरण-प्रत्यय (कृदन्त) (प्रथम प्रश्न-पत्र)	वैदिक साहित्य-परिचय (प्रथम प्रश्न-पत्र)

संस्कृत नाटक अभिज्ञानशाकुन्तलम् (द्वितीय प्रश्न-पत्र)	छन्द, अलंकार एवं अनुवाद (द्वितीय प्रश्न-पत्र)	**संस्कृत गद्यकाव्य एवं भारतीय संस्कृति** शिवराजविजय (प्रथम निःश्वास) (द्वितीय प्रश्न-पत्र)	**गद्य साहित्य एवं निबन्ध** दशकुमारचरितम् (पूर्वपीठिका) (द्वितीय प्रश्न-पत्र)	**कथा साहित्य एवं भगवद्गीता** कादम्बरी (शुकनासोपदेश) (द्वितीय प्रश्न-पत्र)	**कठोपनिषद् एवं पुराण परिचय** कठोपनिषद् (प्रथम अध्याय) (द्वितीय प्रश्न-पत्र)
संस्कृत नाट्य परम्परा परिचय (द्वितीय प्रश्न-पत्र)	-	भारतीय संस्कृति (द्वितीय प्रश्न-पत्र)	सरल संस्कृत में निबन्ध लेखन (द्वितीय प्रश्न-पत्र)	श्रीमद्भगवद्गीता (द्वितीय अध्याय) (द्वितीय प्रश्न-पत्र)	पुराण परिचय (द्वितीय प्रश्न-पत्र)

Programme Outcome/Programme Specific Outcome

Programme Outcome:

PO1 साहित्य मानव संवेदना की अभिव्यक्ति का प्रमुख स्त्रोत रहा है। कलाओं में यह सम्पूर्ण कला है। साहित्य समाज का दर्पण है। स्नातक उपाधि में इस विषय के चयन एवं अध्ययन से विद्यार्थी को साहित्य के सांगोपांग महत्त्व का ज्ञान होगा।

PO2 सहज एवं स्वाभाविक रूप से भाषा–कौशल प्राप्त कर उनमें प्रभावशाली अभिव्यक्ति की क्षमता उत्पन्न होगी।

PO3 आत्मविश्वास से युक्त एवं नेतृत्व क्षमता के धारक होंगे।

PO4 मूल्यपरक व्यक्तित्व से युक्त होकर भारतीयता के बोध के साथ वैश्विक नागरिक के रूप में भावी चुनौतियों का सामना करने में सक्षम होंगे।

PO5 विद्यार्थी संघ लोक सेवा आयोग एवं प्रादेशिक लोक सेवा आयोगों की परीक्षा पाठ्यक्रम में सम्मिलित संस्कृत साहित्य की आधार एवं अनिवार्य शिक्षा प्राप्त करेगें।

PO1

Programme Specific Outcome:

PO1 सर्वाधिक वैज्ञानिक भाषा के रूप में संस्कृत भाषा के प्राचीन महत्त्व एवं उसकी वर्तमान प्रासंगिकता को जानने–समझने योग्य होंगे।

PO2 संस्कृत साहित्य के विभिन्न विषयों यथा काव्य, नाटक, चम्पू, दर्शन, धर्मशास्त्र, नीतिशास्त्र, ज्योतिष, वास्तुशास्त्र, कर्मकाण्ड, व्याकरण इत्यादि से सुपरिचित होकर संस्कृत मर्मज्ञ बन सकेंगे।

PO3 संस्कृत व्याकरण के विभिन्न अंगों के ज्ञान द्वारा भाषा के शुद्ध अध्ययन, लेखन एवं उच्चारण के माध्यम से अभिव्यक्ति कौशल का विकास होगा।

B.A.I (SEMESTER-I)

PAPER-I

सुगमपाठ एवं व्याकरण

Class: B.A.	**Year: First**	**Semester: First**
Subject: Sanskrit		
Course Title: सुगमपाठ एवं व्याकरण		
Course outcomes: 1 विद्यार्थी संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय प्राप्त कर नीतिकाव्य से परिचित हो सकेंगे। 2 संस्कृत नीतिकाव्य की सुगीातात्मकता का सौन्दर्यबोध का सकेंगे। 3 नीतिकाव्य में प्रयुक्त नैतिक शिक्षा का बोध कर सकेंगे।		

4 संस्कृत व्याकरण का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर उसकी वैज्ञानिकता से सुपरिचित हो सकेंगे।
5 संस्कृत वर्णों के शुद्ध उच्चारण कौशल का विकास होगा।
6 स्वर एवं व्यंजन के मूल भेद को समझ कर पृथक् अर्थावगमन की क्षमता उत्पन्न होगी।
7 स्वर, व्यंजन एवं विसर्ग सन्धि का विशिष्ट ज्ञान एवं उनके अनुप्रयोग का कौशल विकसित होगा।

PAPER II

संस्कृत नाटक

Class: B.A.	**Year: First**	**Semester: First**
Subject: Sanskrit		
Course Title: संस्कृत नाटक		
Course outcomes: 1 विद्यार्थी संस्कृत नाटक अध्ययन से संस्कृत नाट्य साहित्य को सामान्य रूप से समझने से समर्थ होंगे। 2 संस्कृत नाटक के अध्ययन से उनमें निहित महान चरित्रों का अध्ययन कर आत्मसात् करेंगे। 3 विद्यार्थी संस्कृत नाटक में प्रयुक्त रस, छन्द, अलंकारों को समझने की क्षमता प्राप्त करेंगे। 4 नाटक की पारिभाषिक शब्दावली से सुपरिचित होंगे तथा संवाद एवं अभिनय कौशल में पारंगत होंगे।		

B.A. (SEMESTER-II)

PAPER-I

संस्कृत नीतिकाव्य

Class: B.A.	**Year: First**	**Semester: Second**
Subject: Sanskrit		
Course Title: संस्कृत नीतिकाव्य		
Course outcomes: 1 विद्यार्थी संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय को ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। 2 संस्कृत नीतिकाव्य की सौन्दर्यता का बोध सकेंगे। 3 नीतिकाव्य में प्रयुक्त नैतिक शिक्षा का बोध कर सकेंगे। 4 संस्कृत नीतिकाव्यों में निहित सूक्तियों एवं सुभाषित वाक्यों के माध्यम से विद्यार्थियों का नैतिक एवं चारित्रिक उन्नयन होगा।		

PAPER-II

छन्द, अलंकार एवं अनुवाद

Class: B.A.	Year: First	Semester: Second
Subject: Sanskrit		
Course Title: छन्द, अलंकार एवं अनुवाद		
1 विद्यार्थी संस्कृत साहित्य के छन्दशास्त्रों का सामान्य परिचय प्राप्त कर श्लोक निर्माण में समर्थ होंगे। 2 छन्द, अलंकारों के ज्ञान से विद्यार्थियों को काव्य, महाकाव्य करने में गति बढ़ेगी। 3 संस्कृत भाषा में अनुवाद से विद्यार्थियों में व्याकरण के प्रति रुचि उत्पन्न होगी। 4 संस्कृत से हिन्दी, हिन्दी से संस्कृत अनुवाद से विद्यार्थियों में भाषाद्वय की क्षमता बढ़ेगी।		

B.A.II (SEMESTER-III)

PAPER-I

संस्कृत पद्यकाव्य एवं समास परिचय

Class: B.A.	Year: Second	Semester: Third
Subject: Sanskrit		
Course Title: संस्कृत पद्यकाव्य एवं समास परिचय		
Course outcomes: 1 संस्कृत पद्यकाव्य का सामान्य ज्ञान प्राप्तकर पद्यसाहित्य से सुपरिचित हो सकेंगे। 2 विद्यार्थी संस्कृत पद्यकाव्यों के अध्ययन से पद्यकाव्यों की सुगीतात्मकता का सौन्दर्य बोध कर सकेंगे। 3 व्याकरणिक समास के ज्ञान से विद्यार्थी संस्कृत के गद्य पद्यों को भली भॉति ज्ञान प्राप्त कर पायेंगे। 4 समास के ज्ञान से विस्तृत पदों को सूक्ष्म करने का ज्ञान प्राप्त होगा।		

PAPER-II

संस्कृत गद्यकाव्य एवं भारतीय संस्कृति

Class: B.A.	Year: Second	Semester: Third
Subject: Sanskrit		
Course Title: संस्कृत गद्यकाव्य एवं भारतीय संस्कृति		

Course outcomes:

1 विद्यार्थी गद्यकाव्य का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर गद्यसाहित्य से परिचित हो सकेंगे।

2 विद्यार्थी गद्यकाव्यों के अध्ययन से गद्यात्मक रचनाओं में प्रवीण हो सकेंगे।

3 भारतीय दर्शन में निहित उद्देश्यों एवं ज्ञान को आचरण में समाहित करने हेतु अभिप्रेरित होंगे।

4 भारतीय दर्शन में विद्यमान नैतिक एवं कल्याण परक तथ्यों से आत्मोकर्ष की अभिप्रेरणा प्राप्त करक सकेंगे।

B.A. II (SEMESTER-IV)

PAPER-I

काव्य एवं संस्कृत साहित्य का इतिहास

Class: B.A.	Year: Second	Semester: Fourth
Subject: Sanskrit		
Course Title: काव्य एवं संस्कृत साहित्य का इतिहास		

Course outcomes:

1 विद्यार्थी काव्य, महाकाव्य के उद्भव और विकास से सुपरिचित होकर काव्य, महाकाव्य के नियमों को समझने में सक्षम होंगे।

2 विद्यार्थी संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय प्राप्त कर काव्य रचनाओं से परिचित हो सकेंगे।

3 विद्यार्थी संस्कृत साहित्य के इतिहास से संस्कृत ग्रन्थों में निहित ज्ञान विज्ञान से परिचित होंगे।

4 संस्कृत साहित्य के इतिहास के अध्ययन से विद्यार्थियों को संस्कृत भाषा की प्राचीनता का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

PAPER-II

गद्यसाहित्य एवं निबन्ध

Class: B.A.	Year: Second	Semester: Fourth
Subject: Sanskrit		
Course Title: : गद्यसाहित्य एवं निबन्ध		

Course outcomes:

1 गद्यसाहित्य के ज्ञान से विद्यार्थियों का नैतिक एवं चारित्रिक उन्नयन होगा।

2 गद्यसाहित्य के माध्यम से अनुवाद एवं लेखन में कौशल प्राप्त कर सकेंगे।

3 विद्यार्थियों में निबन्ध एवं अनुच्छेद लेखन क्षमता को विकास होगा।

B.A. III (SEMESTER-V)

PAPER-I

दर्शन एवं व्याकरण

Class: B.A.	Year: Third	Semester: Fifth
Subject: Sanskrit		
Course Title: दर्शन एवं व्याकरण		
Course outcomes: **1** विद्यार्थी दर्शन साहित्य का सामान्य परिचय प्राप्त कर दार्शनिक तत्त्वों से परिचित हो सकेंगे। **2** दर्शन साहित्य के अध्ययन से उनमें निहित तत्त्वों, प्रमाणों का अध्ययन कर सूक्ष्म ज्ञान को अर्जित कर सकेंगे। **3** संस्कृत व्याकरण का ज्ञान प्राप्त कर उसकी वैज्ञानिकता से सुपरिचित हो सकेंगे।		

PAPER-II

कथा साहित्य एवं श्रीमद्भगवद्गीता

Class: B.A.	Year: Third	Semester: Fifth
Subject: Sanskrit		
Course Title: कथा साहित्य एवं श्रीमद्भगवद्गीता		
Course outcomes: 1 विद्यार्थी कथा साहित्य– कादम्बरी जैसे कथा ग्रन्थों का सामान्य परिचय प्राप्त कर कथा काव्यों के विभिन्न भेदों से परिचित हो सकेंगे। 2 विद्यार्थी श्रीमद्भगवद्गीता के अन्तर्गत प्रतिपाद्य विषय से अवगत हो सकेंगे। 3 श्रीमद्भगवद्गीता के माध्यम से कर्मसिद्धान्त एवं अध्यात्मज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। 4 मानवजीवन में ज्ञान के महत्त्व को आत्मसात करने में समर्थ होंगे।		

B.A. III (SEMESTER-VI)

PAPER-I

वेद एवं वैदिक साहित्य परिचय

Class: B.A.	Year: Second	Semester: Sixth
Subject: Sanskrit		
Course Title: वेद एवं वैदिक साहित्य परिचय		
Course outcomes: 1 विद्यार्थी वैदिक वांग्मय एवं संस्कृति का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। 2 वेदोक्त संदेशों एवं मूल्यों के माध्यम से आचरण का उदात्तीयकरण होगा।		

3 वैदिक सूक्तों के माध्यम से विद्यार्थी को तत्कालीन आध्यात्मिक, सामाजिक एवं राष्ट्रीय परिदृश्य का निदर्शन होगा। 4 वर्तमान समय में वेदांग के ज्ञान द्वारा मानव कल्याणार्थ अग्रसर होंगे।

PAPER-II

कठोपनिषद् एवं पुराण परिचय

Class: B.A.	Year: Third	Semester: Sixth
Subject: Sanskrit		
Course Title: कठोपनिषद् एवं पुराण परिचय		
Course outcomes: 1 विद्यार्थी कठोपनिषद् में निहित ज्ञान, विज्ञान एवं सांस्कृतिक मूल्यों से परिचित होंगे। 2 कठोपनिषद् के अध्ययन से उनमें निहित महान् चरित्रों का अध्ययन कर आत्मसात् करेंगे। 3 पुराणों में निहित ज्ञान, संस्कृति के प्रति गौरव का बोध होगा। 4 पुराणों के सामान्य अध्ययन से आचरण का उदात्तीयकरण एवं संस्कृति का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।		

Year 2022-23

NEP-2020 Syllabus